Dr. Siva Prasad Tumu
Head of the Department

नाट्य विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
DEPARTMENT OF DRAMATICS, U.O.R., JAIPUR

21 AUGUST 2026

आवश्यक सूचना

URATPG

DRAMATICS

नाट्य कला विषय (Dramatics) के आवेदको को सूचित किया जाता है कि दिनांक 01 सितम्बर 2026 को प्रात: 11:30 बजे से व्यावहारिक परीक्षा (Audition And Viva) आयोजित की जाएगी|

इस परीक्षा के लिए निम्नलिखित पूर्व तैयारी के साथ नाट्य विभाग, राज.वि.वि. में उपस्थित होना आवश्यक है -

- एक स्वयं तैयार किया हुआ मोनोलॉग |
- एक विभाग द्वारा भेजा गया मोनोलॉग |

T. Shivaprasad

Dr. Siva Prasad Tumu
HEAD
DEPARTMENT OF DRAMATICS
UNIVERSITY OF RAJASTHAN
(m) 9251555501

मैकबेथ

छात्राओं के लिए

लेडी मेकबेथ : मिट जाओ, पापी दाग! मिट जा, मैं कहती हूँ मिट जा|एक, दो| क्यों! तब तो उस काम को पूरा करने का यही समय हैं -नरक तो भयानक होता हैं| पर धिक्कार हैं तुम पर, मेरे स्वामी! एक सैनिक होकर इस तरह से डर रहे हो? यदि किसी ओ यह पता भी हो तो उससे भी डरने की हमें क्या आवश्यकता हैं| कौन हैं ऐसा जो हमारी ताकत को चुनौती दे सके लेकिन फिर भी किसको पता था कि इस बूढ़े में इतना खून होगा| फाइफ केथेन की एक स्त्री थी| कहाँ हैं वह अब? इन हाथो से भी यह दाग नहीं मिटेगे?नहीं अब और नहीं, मेरे स्वामी,अब बिलकुल नहीं|तुमने इस तरह का प्रारम्भ करके सारा काम बिगाड़ दिया है|अभी तक भी खून की बदबू यहाँ से नहीं मिटी हैं | अरब की सारी खुशबुएँ क्यों न आ जाएँ पर वे इस छोटे-से हाथ इ बदबू नहीं मिटा सकती| ओह! ओह! ओह!अपने हाथो को धो लो और कपडे पहन लो | इस तरह दर के मारे पीले मत दिखाई दो| मैं तुमसे फिर कहती हूँ कि बैंकों को दफना दिया गया हैं और अब अपनी कब्र से उठकर बहार नहीं आ सकता| सो जाओ | सो जाओ | कोई दरवाजा खटखटा रहा हैं| आओ, आओ अपना हाथ मुझे पकड़ाओ | अब जो कुछ भी होना हैं उसे कौन रोककर बदल सकता हैं ? जाओ, सो जाओ | बस....|

T Shivprasad

HEAD
DEPARTMENT OF DRAMATICS
UNIVERSITY OF RAJASTHAN JAIPUR

मैकबेथ

छात्रों के लिए

मैकबेथ : (स्वगत) यदि यह काम मुझे करना ही हो तो क्यों न मैं इसे शीघ्र से शीघ्र कर डालूँ। यदि खून में हाथ धोने से वे सारे आक्षेप, मेरे परिणाम दूर हो सकें और हमें सफलता मिल सके। समय के अथाह समुद्र के बीच मौत का पतला-सा किनारा है, यदि हमारे यह कदम उठाने से इस समस्या का यही आरम्भ और अन्त हो तो हम अपने भविष्य के लिए अपने जीवन का भी खतरा सिर पर ले लें... पर, फिर ऐसे पापों का दण्ड भी तो हमें यहीं भोगना पड़ेगा। हम दूसरों से कहते हैं कि हमारे लिए खून कर दो, पर जब उनके हाथ किसी के खून से रंग जाते हैं, तो उसका कठोर दण्ड हमारे ही सिर पर आकर पड़ता है। ईश्वर के निष्पक्ष न्याय में मैंने कभी-कभी यह भी देखा है कि जो ज़हर का प्याला दूसरों के लिए भरकर तैयार करते हैं, वह हमारे ही ओठों के नीचे आ लगता है। नहीं! मेरे सम्राट की दूने विश्वास के साथ यहाँ रक्षा होनी चाहिए, क्योंकि एक तो उनका सम्बन्धी दूसरे उनकी प्रजा होने के नाते यह मेरा कर्तव्य है। पर्याप्त कारण है कि इस घृणित हत्या के काम के विरुद्ध खड़ा रहूँ। आज वे मेरे अतिथि हैं, उन्हें न क्या उनका खून करने के लिए मुझे अपने हाथों में कटार लेनी चाहिए? नहीं! मुझे तो उन सभी रास्तों तक को बन्द कर देना चाहिए जहाँ उनके जीवन का हत्यारा घुस सके। और इस सबके अलावा यह डंकन, अपने व्यवहार में इतने सीधे और सच्चे हैं कि उनकी हत्या के डरावने समय में उनके गुण ही देवताओं के नक्कारों की तरह जोर से पुकार उठेंगे–ठहरो! नहीं! नहीं!... और नंगे नवजात शिशुओं की तरह संसार के हृदय में बसी दया, बहती हवा में रो उठेगी, और आकाश के देवता वायु रूपी अपने अदृश्य वाहनों पर चढ़कर इस घृणित इरादे की बात पुकार-पुकारकर सबको सुना देंगे, जिसे जो भी सुनेगा उसी का हृदय फट जाएगा और आँखों में इतने आँसू बहेंगे कि वायु का वेग भी उससे कम हो जाएगा। मेरी महत्वाकांक्षा के सिवाय, इस डंकन के जीवन से मुझे क्या शत्रुता है, जो मुझे इस घृणित इरादे की ओर खींचकर ले जाए?...

DEPARTMENT OF DRAMATICS
UNIVERSITY OF RAJASTHAN JAIPUR

पर कैसी बात है! यह महत्वाकांक्षा! क्या है यह? क्या यह ठीक उस सवार की तरह नहीं, जो कभी-कभी अपना निशाना चूककर हारा हुआ-सा दूसरी ओर जा गिरता है!

HEAD
DEPARTMENT OF DRAMATICS
UNIVERSITY OF RAJASTHAN JAIPUR